किम को "हेलो" बोलने अचानक उत्तर कोरिया बॉर्डर पहुंचे ट्रंप, हर तरफ मची खलबली

ट्रम्प और किम कोरियाई प्रायद्वीप के परमाणु निरस्त्रीकरण के मामले पर अभी तक दो बार शिखर वार्ता कर चुके हैं. सबसे पहले वे पिछले साल सिंगापुर में मिले थे और इसके बाद दोनों ने फरवरी में हनोई में शिखर वार्ता की.

सियोल: एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प रविवार को दोनों कोरयाई देशों को बांटने वाले असैन्यकृत क्षेत्र जाएंगे, जहां उनके उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग-उन के साथ बिना पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के मुलाकात होने की संभावना है. ट्रम्प ने रविवार सुबह किए अपने ट्वीट में किम का जिक्र तो नहीं किया, लेकिन आज डीएमजेड जाने की जानकारी दी. ट्रम्प ने इसके बाद सियोल में व्यापारिक नेताओं से कहा किम मिलना चाहते हैं. उन्होंने कहा, देखते हैं क्या होता है. हम कोशिश कर रहे हैं. यह काफी संक्षिप्त होगी, लेकिन इसमें कोई हर्ज नहीं

है और केवल हाथ मिलाना भी बहुत है. ट्रम्प और किम कोरियाई प्रायद्वीप के परमाणु निरस्त्रीकरण के मामले पर अभी तक दो बार शिखर वार्ता कर चुके हैं. सबसे पहले वे पिछले साल सिंगापुर में मिले थे और इसके बाद दोनों ने फरवरी में हनोई में शिखर वार्ता की. अमेरिकी राष्ट्रपति के ट्विटर पर इस आमंत्रण ने विश्लेषकों को आश्चर्यचकित कर दिया था.

ट्रम्प ने ओसाका में जी-20 शिखर सम्मेलन के दौरान ट्विटर पर चौंकाने वाला आमंत्रण देते हुए लिखा था, " यदि उत्तर कोरिया के अध्यक्ष इसे देखते हैं तो मैं उनसे महज हाथ मिलाने और 'हेलो' कहने के लिए सीमा/डीएमजेड पर मिलूंगा." उन्होंने बाद में कहा कि उन्हें किम के साथ उत्तर कोरिया में प्रवेश करने में भी कोई समस्या नहीं होगी. ट्रम्प ने पत्रकारों से कहा था, " निश्चित तौर पर मैं करूंगा, ऐसा करने में मैं सहज महसूस करूंगा. " निमंत्रण पर उत्तर कोरिया की आधिकारिक समाचार एजेंसी 'केसीएनए' ने उप विदेश मंत्री चोई सन हुई के हवाले से कहा था, "हमें लगता है कि यह काफी दिलचस्प सुझाव है लेकिन हमें इस संबंध में कोई आधिकारिक प्रस्ताव नहीं मिला है." इस पर सियोल में 'सेजोंग इंस्टीट्यूट' के एक वरिष्ठ शोधकर्ता चेओंग सेओंग-चांग ने कहा कि किम ने ट्रम्प का निमंत्रण व्यावहारिक रूप से स्वीकार कर लिया है." उन्होंने कहा, " अगर उन्हें (किम) इसमें रुचि नहीं होती तो वह इस तरह का कोई बयान जारी नहीं करते."

अमेरिका में सिखों ने भेदभाव पूर्ण नीति को लेकर कमला हैरिस से माफी मांगने को कहा

गौरतलब है कि 2011 के नियम के अनुसार, जेल के सुरक्षा कर्मियों को धार्मिक कारणों से भी दाढ़ी मिलने की छूट नहीं मिल रही थी, हालांकि उन्हें स्वास्थ्य कारणों से उन्हें छूट मिल रही थी.

नई दिल्ली: एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

सिख कार्यकर्ताओं के एक समूह ने 2011 में धार्मिक भेदभावपूर्ण नीतियों का कथित रूप से बचाव करने के लिए डेमोक्रेट कमला हैरिस से एक ऑनलाइन आवेदन के माध्यम से माफी मांगने को कहा है. भारतीय मूल की अमेरिकी कमला हैरिस डेमोक्रेटिक पार्टी की ओर से राष्ट्रपति पद की उम्मीदवारी की दावेदार हैं.

गौरतलब है कि 2011 के नियम के अनुसार, जेल के सुरक्षा कर्मियों को धार्मिक कारणों से भी दाढ़ी मिलने की छूट नहीं मिल रही थी, हालांकि उन्हें स्वास्थ्य कारणों से उन्हें छूट मिल रही थी.

एक बयान के अनुसार, इन सिख कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया है कि कैलिफोर्निया की अटॉर्नी जनरल रहते हुए हैरिस ने दाढ़ी नहीं रखने की इस नीति का बचाव किया था. नीतिगत बदलाव के बगैर 2011 में जिन मुकदमों का निपटारा हुआ, उन्हें लेकर अमेरिकी विधि विभाग को सिविल अधिकार मामलों की जांच शुरू करनी पड़ी. कैलिफोर्निया के सिखों की लॉबिंग की वजह से अगले साल कार्यस्थल पर ज्यादा धार्मिक छूट देने वाली नीति बनी.

याचिका से जुड़े एक वकील राजदीप सिंह जॉली ने कहा, कमला हैरिस अपने प्रतिद्वंदियों को सिविल अधिकारों पर भाषण दे रही हैं, लेकिन उन्हें कैलिफोर्निया की अटॉर्नी जनरल के रूप में अमेरिकी सिखों के अधिकारों के साथ खेलने के लिए माफी मांगनी चाहिए. उन्होंने कहा कि हैरिस ने उस वक्त भी अमेरिकी सिखों को धार्मिक आजादी नहीं दी जब राष्ट्रपति बराक ओबामा इस दिशा में ऐतिहासिक कदम उठाने पर विचार कर रहे थे.

17 साल बाद तालिबान से अपनी सेना बुलाएगा अमेरिका! शुरू हुई वार्ता

अमेरिका के विदेश मंत्री माइक पोम्पिओ ने मंगलवार को अपने काबुल दौरे की घोषणा करते हुए कहा था कि वह ''एक सितम्बर से पहले'' शांति समझौता होने की उम्मीद करते हैं.

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

दोहा: अमेरिका और तालिबान ने शनिवार को एक बार फिर से शांति वार्ता शुरू की. तालिबान के एक प्रवक्ता ने यह जानकारी दी. अमेरिका चाहता है कि अफगानिस्तान में इस साल सितंबर में होने वाले राष्ट्रपति चुनाव से पहले यह शांति समझौता हो जाए. तालिबान के प्रवक्ता ज़बीउल्लाह मुजाहिद ने ट्वीट किया, ''अमेरिका के प्रतिनिधियों और इस्लामिक अमीरात के वार्ता दल के बीच सातवें दौर की बातचीत दोहा में शुरू.''

क्या होगा दोनों देशों की वार्ता से ?

वार्ता शुरू होने के डेढ़ घंटे बाद मुजाहिद ने पुरुषों के एक समूह की वीडियो पोस्ट की, जिसमें हथियारों से लैस कुछ नकाबकोश पहाड़ों के बीच बैठे नजर आ रहे हैं. यह समझौता होने पर अमेरिका करीब 17 साल बाद अफगानिस्तान से अपने सैनिक वापस बुला सकता है.अमेरिका के विदेश मंत्री माइक पोम्पिओ ने मंगलवार को अपने काबुल दौरे की घोषणा करते हुए कहा था कि वह ''एक सितम्बर से पहले'' शांति समझौता होने की उम्मीद करते हैं.

ब्राजील: रियो डी जेनेरियो के बार में अंधाधुंध फायरिंग में 4 लोगों की मौत, एक घायल

रियो डी जनेरियो। एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

ब्राजील के रियो डी जेनेरियो राज्य के बेलफ़ोर्ड रोक्सो शहर के एक बार में हुई गोलीबारी में कम से कम चार लोग मारे गए और एक घायल हो गया। बताया जा रहा है कि एक समूह बंदूकों के साथ वहाँ आया और लोगों पर अंधाधुंध गोलीबारी की। जिसमें चार लोगों के मारे जाने की बात कही गई है। अग्निशमन विभाग के प्रेस कार्यालय के मुताबिक, 'शनिवार रात की घटना के बाद निवासियों द्वारा अज्ञात लोगों को अस्पतालों में ले जाया गया था और आशंका थी कि मरने वालों की संख्या अधिक हो सकती है।' स्थानीय मीडिया ने पुलिस का हवाला देते हुए रिपोर्ट बताई है कि इस घटना में कम से कम चार लोग मारे गए और सात घायल हो गए। सुरक्षा अधिकारियों इस हमले के पीछे के मकसद को बताने में असमर्थ हैं। लेकिन इसका ब्राजील में हुई हिंसा से कुछ संबंध जरूर है।

बता दें, ब्राजील का दूसरा सबसे बड़ा शहर रियो डी जनेरियो, प्रतिद्वंद्वी गिरोहों और पुलिस-अपराधियों के बीच रोज हो रही गोलीबारी से तबाह हो रहा है।

ब्राजील में बंदूकधारियों की फायरिंग में 11 लोगों की मौत इससे पहले पिछले महीने उत्तर ब्राजील के बेलेम शहर के एक बार में बंदूक धारियों ने अंधाधुंध फायरिंग की थी। स्थानीय मीडिया के अनुसार अंधाधुंध फायरिंग से बार में मौजूद 11 लोगों की मौत हो गई थी। हमला करने वाले लोगों ने चेहरे पर नकाब पहना हुआ था। स्थानीय त1 वेबसाइट के अनुसार, सात हमलावरों ने गोलीबारी की जो मोटरसाइकल और 3 कारों से बार में पहुंचे थे। हमले के बाद सभी हमलावर फरार हो गए।हालांकि हमले के पीछे के कारणों का पता नहीं चल सका है।

हमले के ठीक बाद कुछ वीडियो सोशल मीडिया पर भी पोस्ट किए गए थे। बता दें कि ब्राजील में इसके पहले हत्याएं पड़ोस के गुआम क्षेत्र में भी हुईं थी, जो कि महानगरीय बेलेम क्षेत्र के सात सबसे हिंसक स्थानों में से एक है। यहां सुरक्षा बढ़ाने के लिए मार्च में सैनिकों का एक जत्था भेजा गया था।